रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

101

401 (ICB)

2017
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

इस संसार में प्राणी को हर समय चलते रहना है। गति ही जीवन का सुलक्षण है। सार्थक जीवन वही है, जो कर्मठता व निरन्तर अपने पथ में अग्रसर रहने का पाठ पढ़ाता है। इसी परिप्रेक्ष्य में 'चरैवेति चरैवेति' का सिद्धान्त–सूत्र बना है। वही मानव विकास की किरणों को देख सकता है, जो आलस्य और उन्माद से बचकर सरल मन के साथ अपने कर्त्तव्य–पथ पर सतत चलता रहे। इस हेतु जीवन को अधोमुख करने वाली सभी कुप्रवृत्तियों से परहेज कर हमें अपने भीतर उदात्त प्रवृत्तियों का संचय करना होगा, तभी देश व दुनिया से, सही अर्थों में, हमारा नाता भी जुड़ सकेगा। गीता दर्शन हमें निरन्तर कर्मपथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। कर्म, विकास के पथ को प्रशस्त करता है। सत्कर्म मानव मन में जन्म लेने वाली कुप्रवृत्तियों के दमन का सशक्त साधन है। भगवान श्रीकृष्ण का यह प्रेरणास्पद वचन कि मेरे लिए सब कुछ सुलभ होते हुए भी मैं जनकल्याण के लिए निरन्तर कर्म में लीन रहता हूँ, विशेष अनुकरणीय है। कर्म रहित जीवन पंगु है।

(क) जीवन के सुलक्षण को परिभाषित कीजिए। 3

(ख) जीवन को सार्थक कैसे बनाया जा सकता है ? 3

(ग) विकास की किरणों को देखने के लिए मानव का आचरण कैसा होना चाहिए ? 3

(घ) कुप्रवृत्तियों के दमन का सशक्त साधन क्या है और किस रूप में ? 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 3

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए– 10

(क) निराश युवा पीढ़ी और समाधान।

(ख) उत्तराखंड में पर्यटन उद्योग और संभावनाएँ।

(ग) भय बिन होय न प्रीति।

(घ) जीवन में श्रम का महत्व।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए– $1 \times 5 = 5$

(क) जनसंचार माध्यम से आप क्या समझते हैं ?

(ख) मौखिक संचार का क्या आशय है ?

(ग) 'विज्ञापन' और 'समाचार' में अन्तर बताइए।

(घ) प्रिंट मीडिया किसे कहते हैं ?

(ङ) टी.वी. किस प्रकार का मीडिया है ?

4. 'राष्ट्र निर्माण में छात्रों की भूमिका' **अथवा** 'मतदान का महत्व' पर लगभग 150 शब्दों का आलेख लि

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(i) यह तेरी रण–तरी
भरी आकांक्षाओं से,
घन, भेरी–गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के, आशाओं से
नवजीवन की, ऊँचा कर सिर,
ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल !

(क) 'भेरी–गर्जन से सजग सुप्त अंकुर' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
(ख) किसका सिर ऊँचा हो रहा है, और क्यों ?
(ग) भेरी कौन बजा रहा है, और कहाँ से बजा रहा है ?

(ii) सुनि दसकंधर बचन तब,
कुंभकरन बिलखान।
जगदंबा हरि आनि अब,
सठ चाहत कल्यान ।।

(क) 'कुंभकरन बिलखान' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
(ख) 'दसकंधर' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है और क्यों ?
(ग) 'जगदंबा' शब्द किसका विशेषण है, और उसका हरण करने वाले को अब किस समस्या
पड़ रहा है ?

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
रक्षाबंधन की सुबह रस की पुतली
छायी है घटा गगन की हलकी–हलकी
बिजली की तरह चमक रहे हैं लच्छे
भाई के है बाँधती चमकती राखी।
(क) बिजली की तरह चमकते लच्छे का आशय स्पष्ट कीजिए।
(ख) तुकांतता व अतुकांतता के आधार पर उक्त कविता का छंद–सौन्दर्य बताइए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
(क) 'आत्मपरिचय' कविता में 'शीतल वाणी में आग' का क्या अभिप्राय है ?
(ख) 'बादल राग' कविता में आधार पर 'तुझे बुलाता कृषक अधीर' कवितांश का भाव स्पष्ट की
(ग) छोटे चौकोने खेत को कवि 'रस का अक्षय पात्र' क्यों कहता है ?

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(i) वह किसी को आकार–प्रकार और वेश–भूषा से स्मरण करती है और किसी को नाम के अ
और कविता के संबंध में उसका ज्ञान बढ़ा है; पर आदर–भाव नहीं। किसी के लम्बे बाल
वेश–भूषा देखकर वह कह उठती है–'का ओहू कवित्त लिखे जानत हैं' और तुरन्त ही उसक
जाती है–तब ऊ कुच्छौ करिहैं–धरिहैं ना–बस गली–गली गाउत–बजाउत फिरिहैं।
(क) यहाँ 'वह' सर्वनाम पद किस संज्ञा–पद के लिए प्रयुक्त हुआ है, और किस शीर्षक के ले
(ख) कवि और कविता के संबंध में उसका ज्ञान किस वातावरण में बढ़ा है ?
(ग) उसके अनुसार कवि के रूप–रंग एवं चाल–ढाल का वर्णन कीजिए।

(ii) हमारे देश के ऊपर से जो यह मार–काट, अग्निदाह, लूट–पाट, खून–खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है ? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है। शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है।

(क) हमारे देश के ऊपर से कौन–सा बवंडर बहा और कब ?

(ख) उपर्युक्त गद्यांश में 'एक बूढ़ा' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है और क्यों ?

(ग) शिरीष की विशेषता बतलाइए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $3\times2=6$

(क) बाजार की शैतानी शक्ति के अर्थ को स्पष्ट करते हुए, उसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति के चरित्र के मुख्य तत्व को बताइए।

(ख) भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का मुख्य कारण क्या है ?

(ग) मानचित्र पर एक लकीर खींच देने भर से जमीन व जनता बँट नहीं जाती है, इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $2\times2=4$

(क) यशोधर बाबू अपनी पत्नी को, 'शानयल बुढ़िया', 'चटाई का लहंगा' पदबंधों का प्रयोग कर, किस मिजाज को छोड़ने और किसे अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं ?

(ख) 'कवि भी अपने ही जैसा एक हाड़–मांस का, क्रोध–लोभ का मनुष्य ही होता है', इस विचार के साथ 'जूझ' के नायक में क्या परिवर्तन हुआ ?

(ग) मुअनजो–दड़ो सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा शहर ही नहीं था अपितु साधन और व्यवस्था से भी समृद्ध था। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

11. 'अतीत में दबे पाँव' यात्रावृत्तांत का सारांश लिखिए। 5

अथवा

'सिल्वर वैडिंग' कहानी के अनुसार यशोधर बाबू का चरित्र चित्रण कीजिए।

खण्ड – 'ब'

12. निम्नांकित गद्यांशं पठित्वा केवलं त्रीन् प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत– $2\times3=6$

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल तीन प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

अथ कदाचित् मंडूककुलेन काचित् स्पर्धा आयोजिता। यः समुच्चस्य स्तम्भस्य शिखरं सर्वादौ प्राप्नुयात् सः विजयी भवेत् इति सर्वैः मंडूकैः निर्णीतम्। स्पर्धायां भागं ग्रहीतुं बहवः मण्डूकाः अग्रे आगतवन्तः। स्पर्धां द्रष्टुं तु असङ्खश्याः मण्डूकाः तत्र सम्मिलिताः।

(क) मंडूक कुलेन का आयोजिता ?

(ख) स्पर्धानुसारेण विजयी कः भवेत् ?

(ग) मंडूकाः किमर्थम् अग्रे आगतवन्तः ?

(घ) स्तम्भस्य विशेषता का आसीत् ?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत– $2\times2=4$

(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा
सदसि वाक्पटुता युधि विक्रमः।
यशसि चाभिरूचिर्व्यसनं श्रुतौ
प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्।

(क) श्रुतौ कस्य व्यसनं भवति ?

(ख) महात्मनाम् अभिरूचिः कस्मिन् भवति ?

(ग) उपर्युक्त श्लोकः कस्मात् ग्रन्थात् उद्धृतः अस्ति ?

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः पञ्च प्रश्नान् संस्कृत भाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत– $2\times5 = 10$

(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

(क) **गोविन्दबल्लभपन्तस्य** उच्चशिक्षा कुत्र सम्पन्ना अभवत् ?

(ख) वृष्टिभिः वसुधां के आर्द्रयन्ति ?

(ग) पृथिव्याः स्खलनात् किं जायते ?

(घ) 'मांसभक्षणं न करणीयम्' इति कः अवदत् ?

(ङ) नीचैः कार्यं कथं न प्रारभ्यते ?

(च) केषाम् अचैतन्यं न विद्यते ?

(छ) आगतानां अतिथिनाम् धन्यवाद ज्ञापनं कः करिष्यति ?

(ज) गांधारी कस्य माता आसीत् ?

15. निम्नांकित शब्द सूचीतः शब्दान् चित्वा चत्वारि वाक्यानि उत्तरपुस्तिकायां लिखत– $1\times4 = 4$

(निम्नलिखित शब्दों में से चार शब्दों का संस्कृत में वाक्य में प्रयोग कीजिए)

शब्द सूची– न्यायालयः, विद्यालये, पठन्ति, ब्रूयात्, अस्माकम्, यदा, छात्रौ, किम्, कुतः, मंत्री

16. (क) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए)– 1

पञ्चवटी **अथवा** राजपुत्रः

(ख) कारकस्य निर्देशनं कुरुत (कारक का निर्देशन कीजिए) – 1

विद्यालयस्य **अथवा** गगने

(ग) 'बालक' **अथवा** 'बालिका' शब्दस्य चतुर्थी विभक्तेः एकवचनस्य रूपं लिखत। 1

('बालक' **अथवा** 'बालिका' शब्द का चतुर्थी विभक्ति के एकवचन का रूप लिखिए।)

(घ) 'वद्' **अथवा** 'हस्' धातोः लट्लकारस्य उत्तम पुरुष बहुवचनस्य रूपं लिखत। 1

('वद्' **अथवा** 'हस्' धातु का लट्लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन का रूप लिखिए)

(ङ) (i) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए) – सः + अहम् **अथवा** दुः + चरित्रः 1

(ii) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) – रघोरौदार्यम् **अथवा** मंडूकास्तत्र 1

अथवा

अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायाम् तस्य अनुवादं कुरुत। 3+3=6

(कोई एक कंठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो, लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए।)

****